



SMT. MANGTE CHUNGNEIJANG MARY KOM

Smt. Mangte Chungneijang Mary Kom, a 6 time AIBA Women's Boxing Champion is a renowned and one of the most celebrated athlete of India across the country and abroad. She is the face of women boxing and also the Goodwill Brand Ambassador of AIBA. She is an icon for millions of youth across the globe as a role model for her hard work and outstanding achievement in boxing. She's been christen "Magnificent Mary" by AIBA in 2008 in recognition to her achievements.

2. Born on 1st March, 1983, Smt. Mary Kom started her career in boxing in the year 2000 and since then, she has been winning National and International medals for the country in every boxing event she participated. She has won 8 AIBA Women World Boxing Championship medals. She was awarded state service as Assistant Sub-Inspector (ASI) in Police in the year 2005 and promoted to Superintendent of Police (Sports) post her London Olympic medal in 2012. In recognition to her outstanding achievement for the country in the field of sports, Government of India nominated her as Member of Parliament in 2016.

3. Smt. Mary Kom founded a Boxing Academy in Imphal with her husband Shri. K. Onkholer Kom, running under a Public Charitable Trust; Mary Kom Regional Boxing Foundation in the year 2006, to promote boxing, with a vision to produce champions mostly from rural and underprivileged youth of the land by establishing a centre of sporting excellence.

4. The foundation and the academy have been able to produce several International and National medalist and many of them have been placed in military service through sports, changing the lives of many. It avails free training facilities in boxing from grassroots level with free accommodation, food, supplements, sports kits and other expenses involved in medical, education and competitions. Besides boxing, education is equally considered important also, life skills and personality development, to impact their all round development.

5. Smt. Mary Kom is a recipient of numerous prestigious National awards and honours. She has been conferred honorary doctorate degree by several well-known universities of India. The Government of India conferred on her "Arjuna Award" in 2003, "Padma Shree" in 2005, "Rajiv Gandhi Khel Ratna" Award in 2009 and "Padma Bhushan" in 2013. She also received "People of the Year" award 2007, conferred by Limca Book of Records, "Indian Real Heroes" Award 2007 by CNN-IBN & Reliance Industries Ltd., Pepsi MTv Youth Icon in 2008, "Sports woman of the year" 2007-2008 by Sahara India Pariwar, "Tribal Achievers' Award" 2012 by Ministry of Tribal Affairs (Gol) and "AIBA's Legend Award 2016" by AIBA. She was granted a designation of "OLY" by World Olympians Association, which is considered as the greatest title of honour for Sportsperson, in 2019. She was also awarded WBA Mini Belt by World Boxing Association in 2019.





श्रीमती मांगते चुगंनैजांग मेरी कोम

एआईबीए महिला मुक्केबाजी की छह बार की चैंपियन श्रीमती मांगते चगंनैजांग मेरी कोम एक प्रसिद्ध और देश–विदेश में भारत की सबसे प्रतिष्ठित एथलीट हैं । वे महिला मुक्केबाजी की पहचान हैं और एआईबीए की गुडविल ब्रांड एंबेसडर भी हैं। मुक्केबाजी के क्षेत्र में अपने कड़े परिश्रम और उत्कृष्ट उपलब्धियों के कारण, वह दुनिया भर के करोड़ों युवाओं के लिए एक आदर्श हैं। उनकी उपलब्धियों के लिए उन्हें वर्ष 2008 में एआईबीए द्वारा "मैग्निफिसेंट मेरी" अर्थात "शानदार मैरी" नाम दिया गया।

2. 1 मार्च, 1983 को जन्मी श्रीमती मेरी कोम ने बॉक्सिंग में अपने करियर की शुरुआत वर्ष 2000 में की थी और तब से, उन्होंने जिस किसी भी मुक्केलबाजी स्पर्धा में हिस्सा लिया, उसमें देश के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पदक जीतती रही हैं। उन्होंने एआईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के 8 पदक जीते हैं। उन्हें वर्ष 2005 में पुलिस में सहायक उप–निरीक्षक (एएसआई) के रूप में सरकारी सेवा से सम्मानित किया गया और 2012 में लंदन ओलंपिक पदक के लिए पुलिस अधीक्षक (खेल) के रूप में पदोन्नत किया गया। भारत सरकार ने खेल के क्षेत्र में देश के लिए अर्जित उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के सम्मान के तौर पर वर्ष 2016 में उन्हें संसद सदस्य के रूप में मनोनीत किया।

3. श्रीमती मेरी कोम ने मुक्केबाजी को बढ़ावा देने के लिए खेल उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की और देश के ज्यादातर ग्रामीण और वंचित युवाओं के बीच से चैम्पियन तैयार करने के सपने के साथ वर्ष 2006 में अपने पति श्री के. ओंखोलेर कॉम के साथ मिलकर इंफाल में एक बॉक्सिंग अकादमी की शुरुआत की। यह सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट मेरी कोम रीजनल बॉक्सिंग फाउंडेशन के तहत चल रही है।

4. फाउंडेशन और अकादमी कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पदक विजेता तैयार करने में सफल रही है और उनमें से कई युवा खेल के माध्यम से सैन्य सेवा में शामिल हुए हैं, जिसके परिणामस्वरूप उनके जीवन में बदलाव आया है। यह संस्थान प्रारम्भिक स्तर से निःशुल्क आवास, भोजन, पूरक आहार, खेल किट और चिकित्सा, शिक्षा और प्रतियोगिताओं में शामिल होने के लिए अन्य खर्चों के साथ साथ मुक्केबाजी में निःशुल्क प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करता है।

5. श्रीमती मेरी कोम कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कारों और सम्मानों से अलंकृत हैं। उन्हें भारत के अनेक सुविख्यात विश्वविद्यालयों द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। भारत सरकार ने उन्हें 2003 में "अर्जुन पुरस्कार", 2005 में "पद्म श्री", 2009 में "राजीव गांधी खेल रत्न" पुरस्कार और 2013 में "पद्म भूषण" से सम्मानित किया। उन्हें लिम्का बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स की ओर से वर्ष 2007 में "पीपुल ऑफ़ द ईयर" पुरस्कार, सीएनएन–आईबीएन और रिलायंस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड द्वारा वर्ष 2007 में "इंडियन रियल हीरोज़" अवार्ड, 2008 में पेप्सी एमटीवी यूथ आइकन, 2007–2008 में सहारा इंडिया परिवार द्वारा "स्पोर्ट्स वुमेन ऑफ़ द ईयर", वर्ष 2012 में जनजातीय कार्य मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा "ट्राइबल अचीवर्स' पुरस्कार, एआईबीए द्वारा "एआईबीए लीजेंड अवार्ड–2016" से सम्मानित किया गया। उन्हें वर्ष 2019 में विश्व ओलंपियन संघ द्वारा "ओएलवाई" प्रदान किया गया, जिसे किसी खिलाड़ी के लिए सबसे प्रतिष्ठित सम्मान माना जाता है। उन्हें वर्ष 2019 में विश्व मुक्केबाज़ी संघ द्वारा डब्ल्यूबीए मिनी बेल्ट पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।